

प्रभु जी आये <sup>SSSSSS</sup> आये गंगा के तीर <sup>SSSS</sup> ॥2॥  
 मेरे राम जी आये <sup>SS</sup> आये गंगा के तीर <sup>SS</sup>  
 माता के कई ने <sup>SSSSS</sup> वन को भेजा <sup>SSSS</sup> ॥2॥  
 आई तनिक - न पीर <sup>SSSSS</sup> ॥2॥

प्रभु जी -----

राम - सिया संग - लखन भी आये <sup>SSSS</sup> ॥2॥  
 हैं सेवक - और वीर <sup>SSSSSS</sup> ॥2॥

प्रभु जी -----

भक्ति भाव से - केवट दौड़ा <sup>SSSSS</sup> ॥2॥  
 भर अँखियों - में नीर <sup>SSSS</sup> ॥2॥

प्रभु जी -----

रो - रो निरखे - हरि चरणों को <sup>SSSSS</sup> ॥2॥  
 धन्य हुई - तकदीर <sup>SSSSSS</sup> ॥2॥

प्रभु जी -----

सुनके "श्रीबाबाश्री" व्याकुल भई दाली <sup>SSSSS</sup>  
 कहाँ चले <sup>SSSSS</sup> रघुवीर <sup>SSSS</sup> ॥2॥

प्रभु जी आये <sup>SSSS</sup> आये गंगा के तीर ॥2॥